क्लच से आजादी, गियर बदले बिना रफ्तार

ऑटोमेटिक कार स्टार्ट...

न ई कार खरीदते समय कंपनी और मॉडल चुन लेने के बाद अक्सर ट्रांसमिशन को लेकर लोग फैसला लेने में अटक जाते हैं कि कार मैन्युअल खरीदें या ऑटोमेटिक। हालांकि यह सवाल पूरी तरह से कार खरीदने वाले की पसंद, जीवन शैली और ड्राइविंग की आदत से जुड़ा हुआ है। लेकिन बात सुविधा की आती है, तो ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन वाली कारें ही बेहतर मानी जाती हैं, इसे इस बात से भी समझा जा सकता है कि अमेरिका में कुल पंजीकृत कारों में 96 फीसदी से ज्यादा ऑटोमेटिक ही हैं। साफ है कि अगर आप ज्यादातर समय ट्रैफिक में ड्राइव करते हैं। रोज कार से ऑफिस जाते हैं और भारी भीड़भाड़ या जाम का सामना करते हैं, अथवा ड्राइविंग में नए हैं तो ऑटोमेटिक कार बेहतर विकल्प हो सकती है।

ट्रैफिक जाम में आराम लगातार बढ़ा रही है डिमांड

सड़कों पर बढ़ रहा ऑटोमेटिक कारों का काफिला

क्लच पेडल दबाने या गियर बदलने की जरूरत नहीं

- मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कार में ड्राइवर को गियर बदलने, क्लच पेडल को छोड़ने और दबाने तथा वाहन की गति नियंत्रित करने के लिए लगातार समन्वय बनाए रखना पड़ता है। इसके मुकाबले ऑटोमैटिक कार में क्लच की जगह टॉर्क कन्वर्टर और फ्लूइड कपलिंग का इस्तेमाल होता है। इससे गियर बदलने की गति तेज होती है और कार खुद नियंत्रित होती है। चालक को कार सिर्फ ड्राइव मोड में डालकर चलानी होती है। क्लच पेडल दबाने या गियर बदलने की जरूरत नहीं पड़ती है।

गियर चेंज प्रक्रिया को आसान बना देता

- ऑटोमेटिक कार में गियर और क्लच की झंझट नहीं होने से गाड़ी केवल एक्सेलेरेटर और ब्रेक से कंट्रोल होती है। इस कारण भारी ट्रैफिक में भी कार चलाना काफी आसान हो जाता है। आम भाषा में समझें तो इसमें एक प्रकार का गियर बॉक्स होता है जो गियर चेंज प्रक्रिया को आसान बना देता है। गियर बदलने का काम कार के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम द्वारा ऑटोमेटिक तरीके से किया जाता है। अगर नुकसान की बात करें तो ऑटोमेटिक कार में संभव है कि माइलेज थोड़ी कम हो सकती है। रखरखाव थोड़ा ज्यादा खर्चीला हो सकता है।

सहूलियत और सुविधा

कम थकान
- बड़े शहरों या भारी ट्रैफिक वाले इलाकों में ऑटोमेटिक कार चलाना कम थकाऊ होता है क्योंकि बार-बार गियर नहीं बदलना पड़ता है।

स्मूथ राइड
- ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन कार के गियर को अपने आप बदलता है, जिससे ड्राइव ज्यादा आरामदायक महसूस होती है।

सीखने में आसान
- नए ड्राइवर के लिए ऑटोमेटिक कार चलाना मैनुअल के मुकाबले आसान होती है।

पहाड़ों पर आसानी
- पर्वतीय इलाकों में ऑटोमेटिक कार चलाना और नियंत्रण बनाना आसान होता है।

15 लाख कीमत से नीचे लोकप्रिय ऑटोमिटक मॉडल

- ऑटोमेटिक कारों में मारूति की सेलेरियो सबसे सस्ती आती है। इसका एक्स शोरूम प्राइज 7 लाख रुपये है। मारूति स्विफ्ट, डिजायर और फ्रांक्स ऑटोमेटिक की ऑन रोड कीमत क्रमश : 9 लाख, 9 .5 लाख तथा 10 .5 लाख तथा ब्रेजा की कीमत लगभग 13 लाख है। टाटा नेक्सान का ऑटोमेटिक मॉडल 11 .2 लाख, पंच 9 लाख में ऑन रोड उपलब्ध है। रेनॉल्ट ट्रिबर ऑटोमेटिक की कीमत 10 .50 लाख है। महेंद्रा एक्सयूवी3एक्स0 12 .5 लाख, स्कोडा क्याल्क ऑटोमेटिक करीब 13 लाख में मिल रही है।

चार मोड्स के साथ स्पोर्ट विकल्प

- ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन में एक या अधिक गियर रेंज और कंट्रोल विकल्प होते हैं जो आपको विभिन्न गति में गाड़ी चलाने में मदद करते हैं। आमतौर पर ऑटोमेटिक कार के लीवर में चार मोड्स दिए जाते हैं, जिसमें (पी) पार्किंग, (आर) रिवर्स, (एन) न्यूट्रल और (डी) ड्राइव शामिल होते हैं। कुछ कारों में (एस) स्पोर्ट मोड जैसा विकल्प भी मिलता है। जब आप ट्रांसमिशन लीवर को (डी) ड्राइव मोड में डालते हैं तो इसका सिस्टम गाड़ी की स्पीड और ड्राइविंग कंडीशन के आधार पर गियर चेंज करता है और बार-बार गियर बदलने की जरूर नहीं होती है।

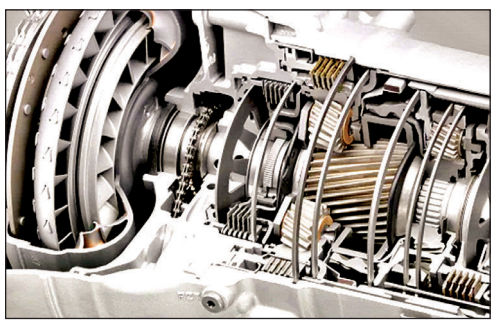

यह होता है मैकेनिज्म

- ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स में टोर्क कनवर्टर होता है, जो इंजन के पावर को ट्रांसमिशन तक पहुंचाता है। इस गियर बॉक्स में एक सीरीज ऑफ प्लेट्स और क्लचेज होते हैं जो गियर्स को बदलते रहते हैं। इन्हें हाइड्रोलिक प्रणाली से कंट्रोल किया जाता है।

काम की बात

जेब ढीली होने से बचाएगा वार्षिक फास्टैग पास

15 अगस्त के दिन सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने वार्षिक फास्टैग पास लांच किया। तीन हजार रुपये कीमत वाला यह पास एक वर्ष के लिए वैध होगा और इससे 200 बार टोल प्लाजा को पार किया जा सकेगा। एक टोल प्लाजा से एक बार गुजरने पर लगभग 15 रुपये खर्च आएगा। यह पास न सिर्फ महंगे टोल टैक्स से आपकी जेब ढीली होने से बचाएगा बल्कि प्लाजा पर आपके समय को बर्बाद भी नहीं होने देगा।

- **वार्षिक पास यहां से खरीदें :** वार्षिक पास खरीदने के लिए राजमार्ग यात्रा मोबाइल एप डाउनलोड कर सकते हैं या फिर एनएचएआई की वेबसाइट https//www .nhai .gov .in पर जाना होगा।
- **यह प्रक्रिया पूरी करें :** इसके बाद अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से लॉग इन कर वाहन रजिस्ट्रेशन नंबर और फास्टैग आईडी दर्ज कर दें। यहां आपको पता चल जाएगा कि आपका फास्टैग एक्टिव है या काली सूची में डाल दिया गया है। इसके बाद तीन हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान करें। भुगतान के दो घंटे बाद आपको एसएमएस आएगा जो यह बताएगा कि आपने वार्षिक पास ले लिया है और आपका फास्टैग सक्रिय हो गया है।

360 डिग्री कैमरा, सब कुछ ड्राइवर की नजर में

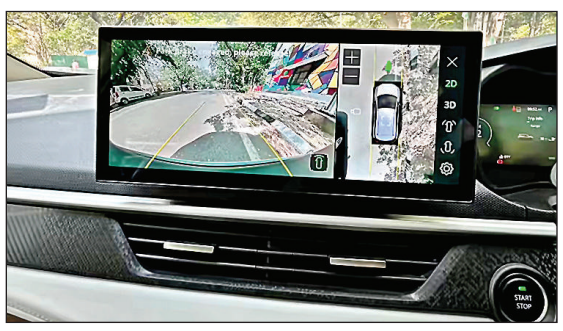

- 360 डिग्री कैमरा नई गाड़ियों में मिलने वाला बेहतरीन सुरक्षा फीचर है। पहले प्रीमियम वाहनों वाला यह फीचर अब अधिकतर कंपनियां अपनी मिड रेंज वाली कारों के टॉप मॉडल में उपलब्ध करा रही हैं। यह एक ऐसा कैमरा सिस्टम होता है, जो कार के चारों ओर चार या इससे ज्यादा छोटे कैमरों को जोड़कर बना होता है। इसमें कार के फ्रंट और रियर के अलावा आउटसाइड रियर व्यू मिरर्स पर भी कैमरे लगे होते हैं। सभी कैमरे मिलकर कार के चारों ओर का 360 डिग्री व्यू दिखाते हैं। इस टेक्नोलॉजी की मदद से ड्राइवर गाड़ी के चारों ओर का व्यू स्क्रीन पर देख सकता है। इससे संकरी जगहों पर गाड़ी पार्क करना या तंग सड़कों पर ड्राइव करना आसान हो जाता है। आप इसे अपनी कार में अलग से भी लगवा सकते हैं।

लुभावने फीचर, नए किफायती स्कूटर

125cc में 85 हजार का स्कूटर लेकर आया यामाहा

- यामाहा मोटर इंडिया ने अपने स्कूटर ने नई RayZR 125 Fi Hybrid पेश की है। इसमें कई जोरदार नए फीचर्स और कलर ऑप्शन जोड़े गए हैं। इसकी दिल्ली में एक्स शोरूम कीमत 85 हजार रुपये है। इस कीमत के कारण यह अपने वैरिएंट में देश के सबसे किफायती 125cc स्कूटरों में से एक है।

ओडिसी सन लॉन्च, एक्स शोरूम कीमत 81 हजार

- इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी ओडिसी ने नए इलेक्ट्रिक स्कूटर ओडिसी सन को चार कलर ऑप्शन में बिक्री के लिए लॉन्च कर दिया है। इसकी विशेषता सिंगल चार्ज 130 किमी रेंज है। शानदार लुक और दमदार बैटरी वाले इस इलेक्ट्रिक स्कूटर की शुरूआती एक्स शो रूम कीमत 81 हजार है। कंपनी का दावा है कि स्कूटर आरामदायक सवारी के साथ स्पोर्टी लुक प्रदान करता है।

60 हजार में जेलो इलेक्ट्रिक का स्कूटर knight+

- जेलो इलेक्ट्रिक ने अपना नया स्कूटर knight+ लॉन्च किया है। इसकी एक्स शो रूम कीमत 60 हजार रुपये है। कंपनी का दावा है कि स्कूटर की बैटरी तीन घंटे के सिंगल चार्ज में 100 किमी की दूरी तय कराती है। knight+ मैट फिनिश छह रंगों में उपलब्ध है। अधिकतम स्पीड 55 किमी प्रतिघंटा है। स्कूटर में क्रूज कंट्रोल और पार्किंग के बाद कुछ देर तक जलने वाली लाइट की सुविधा भी दी गई है। स्कूटर की डिलीवरी अगस्त के अंतिम सप्ताह से की जाएगी।

बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज कारें डेढ़ लाख तक होंगी महंगी

बीएमडब्ल्यू ने नए मॉडल के डिजाइन के साथ सुरक्षित खेल खेला है। बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज एक कॉम्पैक्ट लग्जरी कार है, जो कूपे और ग्रैन कूपे बॉडी स्टाइल में उपलब्ध है। हालांकि ग्रैन कूपे पेट्रोल इंजन का आकार छोटा कर दिया गया है। यह फ्रंट व्हील ड्राइव प्लेटफार्म पर उपलब्ध है। इसी के साथ बीएमडब्ल्यू ने कम से कम अभी के लिए डीजल इंजन का इस्तेमाल बंद कर दिया है। बीएमडब्ल्यू 2 सीरीज ग्रैन कूपे 218 एम स्पोर्ट की एक्स शो रूम कीमत करीब 47 लाख और 218 एम स्पोर्ट प्रो के दाम करीब 49 लाख हैं। बीएमडब्ल्यू अपनी कारों की कीमत में एक सितंबर से तीन फीसदी की बढ़ोतरी करने जा रही है।

ई20 नए वाहनों के लिए सुरक्षित, पुरानी गाड़ियों के लिए बढ़ी चिंता

देश में ई 20 (20 फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) पेट्रोल को बढ़ावा देने का उद्देश्य सरकार की कच्चे तेल के आयात में कटौती और वाहनों से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करने की योजना का हिस्सा है। सरकार इस बात से खुश है कि यह बड़ा बदलाव 2030 की तय समय-सीमा से पांच साल पहले ही हो गया है। लेकिन ई20 को लेकर पुराने वाहनों के मालिक ज्यादा परेशान हैं, क्योंकि उनके वाहन इसके लिए पूरी तरह से तैयार नहीं हैं। उनकी सबसे बड़ी चिंता यह है कि ई20 पेट्रोल से गाड़ियों के इंजन और परफॉर्मेंस पर बुरा असर पड़ेगा। ऐसी खबरें भी हैं कि ई20 से माइलेज कम होने के साथ इंजन का रखरखाव खर्च बढ़ जाएगा। इसी कारण ज्यादातर वाहन मालिक ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से हिचकिचा रहे हैं, किंतु सरकार के दावों और कुछ वाहन निर्माताओं के अनुसार ई20 नए वाहनों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और पर्यावरण के लिए काफी फायदे का सौदा है।

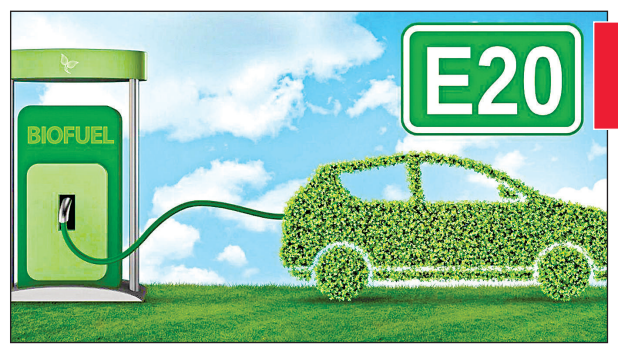

ई20 पेट्रोल भराया और कार नहीं चलाई तो बढ़ेगी परेशानी

ईंधन टैंक में ई20 पेट्रोल के साथ लंबे समय तक बिना इस्तेमाल की गई कारें समस्याएं पैदा कर सकती है। इसका कारण यह है कि इथेनॉल मिश्रित ईंधन लंबे समय तक बिना इस्तेमाल के रहने पर पानी, इथेनॉल और ईंधन की अलग-अलग परतों में विभाजित हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार इससे ईंधन प्रणाली के लिए जटिल समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इससे बचाव के लिए अपने वाहन के ईंधन टैंक को जितना हो सके उतना ऊपर तक भरकर रखें, इससे टैंक के अंदर हवा की मात्रा कम हो जाएगी, जिससे इथेनॉल और पेट्रोल के अलग-अलग होने की संभावना कम हो जाएगी।

क्या होता है ई 20 पेट्रोल

20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को ई 20 पेट्रोल कहा जाता है। इथेनॉल गन्ना, मक्का या अतिरिक्त अनाज से बनाया जाने वाला जैव ईंधन होता है। भारत 2003 में ई5 से 2022 तक ई10 पर आ गया था, लेकिन ई20 का लक्ष्य तय समय सीमा 2030 से पांच साल पहले ही पूरा कर लिया गया है।

- **बीएस 3 और बीएस 4 वाहनों में जोखिम ज्यादा :** आटोमोबाइल सेक्टर के विशेषज्ञों का भी कहना है कि अगर आपकी कार, बाइक या स्कूटर ई20 पेट्रोल समर्थित नहीं है, तो यह ईंधन कुछ समय बाद गाड़ी के रबर और प्लास्टिक पार्ट्स को खराब कर सकता है। मेटल पार्ट्स में जंग पैदा कर सकता है। ई20 से वाहन में नुकसान की रफ्तार गाड़ी की उम्र और तकनीक पर निर्भर करेगी। मसलन, बीएस3 और बीएस4 गाड़ियों में जोखिम ज्यादा है, जबकि बीएस 6 गाड़ियों में कम नुकसान हो सकता है।

समाधान का रास्ता

- **टू व्हीलर में फ्यूल क्लीनर कारों के लिए अपग्रेड किट :** दोपहिया वाहन बनाने वाली कंपनी बजाज ने वह तरीका बताया है, जिससे पुरानी गाड़ी 20 प्रतिशत एथेनॉल वाले पेट्रोल के साथ आसानी से दौड़ेगी। पुराने बीएस3 वाहन के पेट्रोल टैंक में फ्यूल क्लीनर लगाकर समस्या का समाधान किया जा सकता है। इसके लिए हर 1000 किलोमीटर पर फुल टैंक में 40 मिलीलीटर फ्यूल क्लीनर डालना होगा। इसकी वजह यह है कि 20 ई पेट्रोल के साथ चिपचिपा पदार्थ रह जाता है, जो गाड़ी के फ्यूल पंप, इंजेक्टर और थ्रोटल बॉडी में समस्या पैदा कर सकता है। इसी कारण वाहन के परफॉर्मेंस में कमी आती है। ऐसे में इस चिपचिपे पदार्थ का समाधान फुल टैंक में फ्यूल सिस्टम क्लीनर डालना है। उधर, जिन लोगों ने 2023 से पहले कार खरीदी है, ई20 पेट्रोल से उनकी परेशानी देखते हुए खबर है कि मारुति सुजुकी बाजार में ई20 अपग्रेड किट लाने वाली है। यह किट 10-12 साल पुरानी कारों के लिए उपलब्ध होगी।